भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

15.03.2017 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2161

यूरेनियम भंडार

2161. श्री जे.सी. दिवाकर रेड्डी:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या परमाणु खनन अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय के अनुसार आंध्र प्रदेश में 66205 टन का सर्वाधिक यूरेनियम भंडार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा परमाणु ऊर्जा के उत्पादन में उपयोग हेतु उक्त यूरेनियम भंडारों के दोहन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) तथा (ख) जी, हाँ। परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) का एक संगठक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (पखनि), जिसका अधिदेश यूरेनियम के खनिज संसाधनों की पहचान एवं उनका मूल्यांकन करना है, ने आंध्र प्रदेश में (फरवरी, 2017 तक) 1,22,691 टन *स्वस्थाने* U_3O_8 (1,04,042 टन U) की पहचान की है, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में अधिकतम है । आंध्र प्रदेश में यूरेनियम संसाधनों का जिला-वार विवरण निम्नानुसार है :

जिला	भंडार	यूरेनियम संसाधन	
		U_3O_8 (टन)	U (टन)
कडप्पा	तुम्मलपल्ली समूह	1,19,930	1,01,701
गुंटूर	कोप्पुनूरू	2,761	2,341
	कुल	1,22,691	1,04,042

[1टन U_3O_8 = 0.848 टन यूरेनियम धातु (U)]

(ग) परमाणु ऊर्जा विभाग के सार्वजनिक क्षेत्र के एक उपक्रम, यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) द्वारा तुम्मलपल्ली में 3000 टन अयस्क प्रतिदिन का खनन करने की संभाव्यता वाली 7.6 किमी लंबी भूमिगत खदान का निर्माण किया जा चुका है । 3000 टन प्रतिदिन संसाधन क्षमता वाले एक संयंत्र का प्रचालन भी कंपनी द्वारा किया जा रहा है। इस संयंत्र द्वारा 2012 से यूरेनियम का उत्पादन आरंभ किया जा चुका है ।

****